International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राष्ट्रीयआंदोलनमेंवामपंथीवैचारिकताकाउदय

डॉसुजीतकुमारनिराला
पीएचडी ,इतिहासविभाग
बीआरएबिहारविश्वविद्यालय ,मुजफ्फरपुर, बिहार

भाोध–सारां"ा

भारतीयस्वतंत्रताआन्दोलनराष्ट्रीयएवंक्षेत्रीयआह्वानोंए उत्तेजनाओंएवंप्रयत्नोंसेप्रेरितए भारतीयराजनैतिकसंगठनोंद्वारासंचालितअहिंसावादीऔरसैन्यवादीआन्दोलनथाए जिनकाएकसमानउद्देश्यए
अंग्रेजीशासनकोभारतीयउपमहाद्वीपसेजड़सेउखाड़फेंकनाथा।इसआन्दोलनकीशुरुआत 1857
मेंहुएसिपाहीविद्रोहकोमानाजाताहै।स्वाधीनताकेलिएहजारोंलोगोंनेअपनेप्राणोंकीबलिदी।भार तीयराष्ट्रीयकांग्रेसने 1929 केलाहौरअधिवेशनमेंअंग्रेजोसेपूर्णस्वराजकीमांगकी।

3 जून 1947 को, वाइसकाउंटलुइसमाउंटबैटन, जोआख़िरीब्रिटिशगवर्नर-जनरलऑफ़इण्डियाथे,
नेब्रिटिशभारतकाभारतऔरपाकिस्तानमेंविभाजनघोषितकिया।ब्रिटिशसंसदकेभारतीयस्वतंत्र ताअधिनियम१९४७केत्वरितपारितहोनेकेसाथ, 14 अगस्त 1947 को 11:57 बजे, पाकिस्तानएकभिन्नराष्ट्रघोषितहुआ, औरमध्यरात्रिकेतुरन्तबाद15 अगस्त 1947को 12:02 बजेभारतभीएकसम्प्रभुऔरलोकतान्त्रिकराष्ट्रबनगया।भारतपरब्रिटिशशासनकेअन्तकेकारण, अन्ततः 15 अगस्त 1947 भारतकास्वतन्त्रतादिवसबनगया।उस 15 अगस्तको, दोनोंपाकिस्तानऔरभारतकोब्रिटिशकॉमनवेल्थमेंरहनेयाउससेनिकलनेकाअधिकारथा। 1949 में, भारतनेकॉमनवेल्थमेंरहनेकानिर्णयलिया।

आज़ादीकेबाद, हिन्दुओं, सिखोंऔरमुसलमानोंकेबीचहिंसकमुठभेड़ेहुई।प्रधानमंत्रीनेहरूऔरउपप्रधानमंत्रीसरदारवल्ल भभाईपटेलनेमाउंटबैटनकोगवर्नर-जनरलऑफ़इण्डियाक़ायमरहनेकान्योतादिया।जून 1948 में, चक्रवर्तीराजगोपालाचारीनेउन्हेंप्रतिस्थापितकिया।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

पटेलने, "मख़मलीदस्तानेमेंलोहमुट्ठी" कीअपनीनीतियोंसे, 565 रियासतोंकोभारतीयसंघमेंएकीकृतकरनेकाउत्तरदायित्वलिया, वउननीतियोंकाअनुकरणीयप्रयोग, जूनागढ़औरहैदराबादराज्यकोभारतमेंएकीकृतकरनेहेतुसैन्यबलकेउपयोग (ऑपरेशनपोलो) मेंदेखनेकोमिला।दूसरीओर, पण्डितनेहरूजीनेकश्मीरकामुद्दाअपनेहाथोंमेंरखा।[

संविधानसभानेसंविधानकेप्रारूपीकरणकाकार्य 26 नवम्बर 1949 कोपूराकिया; 26 जनवरी 1950 कोभारतगणतन्त्रआधिकारिकरूपसेउद्घोषितहुआ।संविधानसभाने, गवर्नर-जनरलराजगोपालाचारीसेकार्यभारलेकर, डॉ०राजेन्द्रप्रसादकोभारतकाप्रथमराष्ट्रपतिनिर्वाचितकिया।तत्पश्चात्, फ़्रान्सने 1951 मेंचन्दननगरऔर 1954 मेंपॉण्डिचेरीतथाअपनेबाकीभारतीयउपनिवेश, सुपुर्दकरदिएँ।भारतने 1961 मेंगोवाऔरपुर्तगालकेइतरभारतीयएन्क्लेवोंपरजनताकेव्दाराअनदोलनकरनेकेे बादगोवापर अधिकारकरलिया। 1975 में, सिक्किमनेभारतीयसंघमेंसम्मिलितहोनेकानिर्वाचनकिया।

1947 मेंस्वराजकाअनुसरणकरके, भारतकॉमनवेल्थऑफ़नेशन्समेंबनारहा, औरभारत-संयुक्तराजशाहीसम्बन्धमैत्रीपूर्णरहेहैं।पारस्परिकलाभहेतुदोनोंदेशकईक्षेत्रोंमेंमज़बूतसम्बन्धों कोतलाशतेहैं, औरदोनोंराष्ट्रोंकेबीचशक्तिशालीसांस्कृतिकऔरसामाजिकसम्बन्धभीहैं।यूकेमें 16 लाखसेअधिकसंजातीयभारतीयलोगोंकीजनसंख्याहैं। 2010 में, तत्कालीनप्रधानमंत्रीडेविडकैमरूननेभारत-ब्रिटिशसम्बन्धोंकोएक "नयाख़ासरिश्ता" बताया।

वामपन्थसेभारतमेंदोविचारधाराओंकेफलस्वरूपविकासहुआथा।दक्षिणऔर श्वामश शब्दकाप्रथमप्रयोगफ्राँसीसीक्रान्तिकेसमयहुआ।राजाकेअनुयायीदक्षिणपंथीएवंउनकेविरोधी वामपंथीकहेगये।कालांतरमेंआगेचलकरवामपन्थकोही श्समाजवादश एवं श्साम्यवादश कहाजानेलगा।भारतमेंयहविचारधाराप्रथमविश्वयुद्ध ;1914.1919ईण्द्ध केबादहीमुख्यरूपसेप्रचलनमेंआईथी।तत्कालीनऔद्योगिकीनगरकलकत्ताए बम्बईए कानपुरए लाहौरएवंमद्रासमें श्साम्यवादश काप्रभावअत्यधिकथा।बंगालमें 'नवयुगष केसम्पादकमुजफ़्फ़रअहमदए बम्बईमेंसोशलिस्टकेसम्पादकएसण्एण डांगेए मद्रासकेसिंगारवेलुचेट्टिचारएवंलाहौरमें'इनक्लाबष

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

केसम्पादकगुलामहुसैनआदिनेसाम्यवादीविचारधाराकोभारतमेंअपनापूर्णसमर्थनदेतेहुएउस केप्रसारमेंयोगदानकिया।भारतमेंइसआन्दोलनकादोविचारधाराओं. साम्यवादऔरकांग्रेससमाजवादीदलकेरूपमेंविकासहुआ।साम्यवादकोरूसकेसाम्यवादीसंग ठन 'कमिन्टर्नष कासमर्थनप्राप्तथाए जबकि श्कांग्रेससोशलिस्टदलश कोभारतीयराष्ट्रीयकांग्रेसकासमर्थनप्राप्तथा।दूसरेशब्दोंमेंयहकहाजासकताहैकिए यहकांग्रेसका श्वामपंथीदलश था।

वामपंथियोंकाभारतकोस्वतंत्रतादिलानेमेंकोईयोगदान

भारतीयआजादीमेंवामआंदोलनकायोगदाननिम्नलिखितपांचभागोंमेंविभाजितकियाजासकताहै - वामक्रांतिकीभूमिका, कम्युनिस्टोंकीभूमिका, समाजवादियोंकीभूमिका, फॉरवर्डब्लॉक (यानि, वामराष्ट्रवादी) कीभूमिका, अखिलभारतीयव्यापारसंघकांग्रेसऔरकिसानसभाकीभूमिका (इनदोनोंसंगठनोंकाकम्युनिस्टोंऔरसमाजवादियोंकाप्रभुत्वथा)।हालांकिमैं 'वामपंथी' शब्दकोअधिकरूढ़िवादीरूपसेलेजाऊंगाऔरवामक्रांतिवादियोंऔरकम्युनिस्टोंकेयोगदानके भीतरचर्चाकोसीमितकरदूंगा।

भारतमेंवामपंथीविचारधारा

भारतमेंवामपंथीविचारधाराप्रथम, विश्वयुद्धकेपश्चात्राजनैतिकतथाआर्थिकपरिस्थितियोंकेकारणउभरीऔरयहअनिवार्यरूपसेराष्ट्र वादीआन्दोलनकेसाथसंलग्नहोगयी. भारतमेंवामपंथीआन्दालेनकेउदयकेप्रमुखकारकनिम्नथे –

1. रूसीक्रान्तिकाप्रभावइसकेपीछेमुख्यप्रेरकशक्तिथी. 1917 के 7 नवम्बरकोलेनिनकेनेतृत्वमेंबोल्शेविकपार्टी (कम्युनिष्टपार्टी) नेजारकेराजशाहीशासनकोउखाड़फेंकाऔरपहलेसमाजवादीराज्यकीस्थापनाकीघोष णाकी.
   रूसकेनयेसमाजवादीशासकोंनेचीनऔरएशियाकेअन्यभागोंमेंअपनेउपनिवेशवादीअ

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

धिकारोंकोछोड़नेकीघोषणाकी. लोगोंकोप्रेरणामिलीकियदिआमजनतायानीमजदूर, किसानऔरबुद्धिजीवीवर्गसंगठितहोकरजारकेशक्तिशालीसाम्राज्यकातख्तापलटसक तेहैंऔरऐसीसामाजिकव्यवस्थाकायमकरसकतेहै,
जिसमेंएकआदमीदूसरेकाशोषणनहींकरता,
तबब्रिटिशसाम्राज्यसेसंघर्षकरनेवालीभारतीयजनताभीऐसाकरसकतीहै.
इसप्रकारलोगमार्क्सकेक्रान्तिकारीविचारोंसेरोमांचितहोगये.

2. प्रथमविश्वयुद्धकेबाददेशकीआर्थिकस्थितिबहुतशोचनीयहोगयी.
दैनिकआवश्यकताओंकीवस्तुओंकेमूल्यबहुतबढ़गये.
व्यापारियोंकीकालाबाजारीतथाअफसरोंकीबेईमानियोंकेकारणदेशमेंअकालकीस्थिति उत्पन्नहोगयी.
इसप्रकारलोगोंकेसामनेसाम्राज्यवादऔरपूंजीवादकाघिनौनारूपप्रकटहोगया.
3. गांधीजीके**असहयोगआन्दोलन**मेंभागलेनेवालेबहुतसारेनौजवानइसकेनतीजोंसेखुशनहीं थेऔरगांधीवादीनीतियों,
विचारोंऔरयहाँतककिवैकल्पिकस्वराजवादीकार्यक्रमोंसेभीसंतुष्टनहींथे.
इसलिएमार्गदर्शनकेलिएउनलोगोंनेअपनारूखसमाजवादीविचारोंकीओरमोड़ा.
शिक्षितमध्यमवर्गकावहअंगजोअंग्रेजोंकीउदारवादीनीतिमेंविश्वासखोबैठाथाऔरजिसेबे कारीस्पष्टसामनेदिखतीथी, वहभीअबइसओरखींचगया.
4. आगेचलकर 1929 कीविश्वव्यापीमन्दीनेभीयहस्पष्टकरदियाकिइसदौड़मेंभीसमाजवादीदेशोंमेंनिरंतरप्रगति होसकतीहै. उल्लेखनीयहैकिरूसइसमन्दीकीचपेटसेनसिर्फअलगथा, बल्किउसकीप्रगतिदरभीऊँचीथी.
5. परन्तुइनसबकेऊपरजवाहरलालनहेरूएसेव्यक्तिथे,
जिन्होंने**राष्ट्रीयआन्दोलन**कोसमाजवादीदृष्टिप्रदानकीऔर 1929 केबादभारतमेंवेसमाजवादऔरसमाजवादीविचारोंकेप्रतीकबनगयेऔरघोषणाकीकिय दिआमआदमीकोआर्थिकमुक्तिहासिलहोतीहै, तभीराजनैतिकमुक्तिसार्थकहोसकतीहै.

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

इसप्रकारनेहरूनेयुवाराष्ट्रवादियोंकीएकसमूचीपीढ़ीकोमोड़ाऔरसमाजवादीविचारोंको आत्मसात्करनेमेंउनकीमददकी.

वामपंथकीभूमिका

कम्युनिस्टपार्टीने,
भारतकीएकसमावेशीकल्पनाकेउभरनेमेंबहुतहीमहत्वपूर्णभूमिकाअदाकीथी.
उसनेऐसाकियाथा, अपनेछेड़ेसंघर्षोंकेजरिए,
बहुतहीमहत्वपूर्णमुद्दोंकोराष्ट्रीयआंदोलनकेमंचपरलानेकेजरिए.
सबसेपहलातोयहकिकम्युनिस्टोंनेदेशकेविभिन्नहिस्सोंमेंजोभूमिसंघर्षछेड़ेथे,
उनकेचलतेभूमिसुधारकामुद्दाराजनीतिकमंचकेकेंद्रमेंआगयाथा.
कम्युनिस्टोंकेनेतृत्वमेंकेरलमेंपन्नप्रावायलार, बंगालमेंतेभागाआंदोलन,
असममेंसुरमावैलीसंघर्ष, महाराष्ट्रमेंवर्लीआदिवासीविद्रोहजैसेआंदोलनहुएथे,
जिनमेंसबसेबढ़करथातेलंगानाकासशस्त्रकिसानसंघर्ष.
इसीप्रक्रियाकेफलस्वरूपजमींदारीव्यवस्थातथाबड़ी-बड़ीजागीरोंकाअंतहुआ,
करोड़ोंलोगसामंतीदासताकेजुएसेमुक्तहुएऔरग्रामीणभारतकेशोषिततबकेस्वतंत्रताकेसंघ
र्षमेंखिंचआए. इसकेविपरीत,
कांग्रेसकानेतृत्वतोग्रामीणभारतमेंशोषकवर्गोंकोहीअपनासाझीदारबनानेकीकोशिशोंमेंल
गाहुआथा.

दूसरे,
कम्युनिस्टपार्टीनिस्वतंत्रभारतमेंराज्योंकेभाषावारपुनर्गठनकेलिएलोकप्रियसंघर्षोंकीअगुआ
ईकी. इसतरह, आजअगरभारतकाराजनीतिकनक्शा,
बहुतहदतकवैज्ञानिकतथाजनतांत्रिकआधारपरखड़ानजरआताहै,
तोइसकाश्रेयसबसेबढ़करकम्युनिस्टपार्टीकोहीजाताहै. विशालआंध्र,
एक्यकेरलातथासंयुक्तमहाराष्ट्रजैसेआंदोलनोंकानेतृत्व,
बाकीलोगोंकेअलावाऐसेलोगोंद्वाराकियाजारहाथा,
जोदेशकेसबसेअग्रणीकम्युनिस्टनेताबनकरसामनेआएथे. इसने,
भारतमेंरहनेवालीअनेकभाषाईजातीयताओंके, समताकेआधारपर,
एकसमावेशीभारतमेंएकीकृतहोनेकारास्तातैयारकिया.

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तीसरे, धर्मनिरेक्षताकेप्रतिवामपंथकीसुदृढ़वचनबद्धता, भारतीययथार्थकीपहचानपरआधारितथी. वास्तवमेंकम्युनिस्टपार्टीकिगठनकेफौरनबाद, 1920 मेंहीपार्टीकीओरसेएमएनरॉयने, 1920 केसांप्रदायिकदंगोंकीपृष्ठभूमिमेंलिखाथाकिसांप्रदायिकविभाजनकाएकहीकाटहै-- साम्राज्यवादऔरशोषकवर्गोंकेखिलाफसभीजातियोंतथासभीधर्मोंकेमेहनतकशोंकीवर्गीय एकता.

भारीविविधताओंवालेभारतकीएकताकोतोइसविविधतामेंसमाएसाझेकेसूत्रोंकोमजबूतकर नेकेजरिएहीपुख्ताकियाजासकताहै, नकिइसविविधतापरकोईएकरूपताथोपनेकेजरिए. लेकिन, आजसांप्रदायिकताकतेंठीकऐसीहीएकरूपताथोपनेकेरास्तेपरचलरहीहैं. जहांसाझासूत्रोंकोमजबूतकरनेकीजरूरत, भारतकीसामाजिकविविधताकेसभीपहलुओंकेसंबंधमेंसचहै, धार्मिकविविधताकेमामलेमेंइसकामहत्वऔरभीज्यादाहै. भारतकेविभाजनतथाउसकेबादआईभीषणसांप्रदायिकविभीषिकाकेबादतोधर्मनिरपेक्षता, समावेशीभारतकाएकअविभाज्यतत्वहीबनगईहै. धर्मनिरपेक्षताकाअर्थहै, धर्मकाराज्यऔरराजनीतिसेअलगरखाजाना. इसकाअर्थयहहैकिशासनअविचलरूपसेहरेकनागरिककीअपनाधर्मचुननेकीस्वतंत्रताकी तोरक्षाकरेगा, लेकिनउसकानअपनाकोईधर्महोगाऔरनवहकिसीधर्मकापक्षधरहोगा. लेकिन, व्यवहारमेंस्वतंत्रताकेबादहमारेदेशमेंधर्मनिरपेक्षताको, सभीधर्मोंकीसमानतामेंघटादियागयाहै. इसमें, बहुसंख्यकसमुदायकाधर्मकेप्रतिएकझुकावतोअंतर्निहितहीहै. वास्तवमेंइससेभीआजसांप्रदायिकतथातत्ववादीताकतोंकोखाद-पानीमिलताहै.

उभरतेशासकवर्गऔरवर्गीयसंघर्ष

भारतकापूंजीपतिवर्ग, जोशायदऔपनिवेशिकदेशोंमेंसबसेज्यादाविकसितपूंजीपतिवर्गथा, स्वतंत्रताकेबादपूंजीवादीविकासकेरास्तेपरचलनेकेलिएबहुतहीउत्सुकथा. सत्ताधारीवर्गकीभूमिकासंभालनेकेलिए, उसनेएकओरभूस्वामियोंकेसाथगठजोड़करलियाऔरदूसरीओर, सत्ताहस्तांतरणकेलिएसाम्राज्यवादियोंकेसाथसौदेबाजीकारास्ताअपनाया. इसतरह,

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उन्होंनेयहसुनिश्चितकियाकिभारतकास्वतंत्रताआंदोलन, साम्राज्यवादतथासामंतवाद, दोनोंसेदेशकोमुक्तकरानेकाअपनालक्ष्यपूराहीनहींकरसके. इसलिए, कम्युनिस्टपार्टीनेस्वतंत्रताकेबादकेभारतमेंक्रांतिकेचरणको, जनवादीक्रांतिकेचरणकेरूपमेंपरिभाषितकियाजिसमेंतीनकामपूरेकिएजानेथे-- सामंतवादविरोधी, साम्राज्यवादविरोधीऔरइजारेदारपूंजीविरोधी.

खुदहमारेदेशमेंऔरदेशकेबाहरकेभी, कम्युनिस्टआंदोलनकेअनेकशुभचिंतकयहसवालपूछतेहैंकिभारतीयकम्युनिस्टपार्टी, जिसकीस्थापना 1920 मेंहुईथी, समाजवादकाअपनालक्ष्यहासिलक्योंनहींकरपाई? जबउसकेआस-पासहीस्थापितहुईंचीन, वियतनाम, कोरियाकीकम्युनिस्टपार्टियांअपनेलक्ष्यमेंकामयाबहोगईं, भारतमेंऐसानहोपानेकीक्यावजहथी? इससवालकाजवाबकमसेकमयहनहींहैकिभारतीयकम्युनिस्टोंकेसमर्पणयाकुर्बानियोंमेंकोईकमीथी. सच्चाईयहहैकिबड़ी-बड़ीवर्गीयलड़ाइयोंकानेतृत्वकरनेकाऔरराष्ट्रीय मुक्तिकेलक्ष्यकेलिएतथामजदूरवर्ग, किसानोंवकरोड़ोंअन्यउत्पीड़ितोंकीहिमायतमेंअसाधारणकुर्बानियोंका, भारतीयकम्युनिस्टोंकारिकार्डगौरवपूर्णरहाहै. वेभारतमेंक्रांतिकारीआंदोलनकीबेहतरीनपरंपराकाप्रतिनिधित्वकरतेथे.

नश्कर्श

राष्ट्रीयआंदोलनकोवामपंथीदिशादेनेमेंभारतकेसाम्यवादीदलकीमहत्वपूर्णभूमिकारही।इसदल नेआरंभसेहीभारतकीपूर्णसत्रस्वतंत्रताकीमांगकी।राजनीतिकस्वतंत्रताकेसाथसाथइसमेंआर्थि कस्वतंत्रतापलपरभीबलदियाए वैज्ञानिकसमाजवादकाप्रचारकियाए विदेशीपूंजीकाराष्ट्रीयकरणए देसीरियासतोंकोसमाप्तकरनातथाकिसानोंकोभूमिकामालिकानाहकदिलानेकीमांगकी।यह आमजनताकेबीचकामकरतीरहीचाहेवेमजदूरअथवाकिसानथेखेतिहरमजदूरअथवाजनजाती यलोग।साम्यवादीलोगोंकेसाथएकदिक्कतथीए किवेअंतरराष्ट्रीयकम्युनिस्टपार्टीकेआधारपरस्वतंत्रताआंदोलनमेंअपनीभूमिकाकोबदलतेरहे।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जबकम्युनिस्टइंटरनेशनलनेभारतकेसाम्यवादीकोस्वतंत्रताआंदोलनसेहटनेके।वर्तमानराजनीतिकदौरमेंए जबकिइतिहासलगातारूपान्तरितहोरहाहै ए राष्ट्रवादकाशिक्षणएकजरूरीविषयहोजाताहै दृ औरयहइसीलिएभीजरूरीहैकिआमजनताकीबहसमेंएक 'सहीष राष्ट्रवादए जोकि 'हिन्दुत्ववादीष शाखाकाहोताहैए कीपैरवीकरनेकीकरनेकीबड़ीजल्दीरहतीहै।इसबहसमेंइतिहसकेदावों कोअनदेखाकियाजाताहैए
यहाँतककिइतिहासकारजोहमेशाअपनेसहीहोनेवविश्वसनीयताकीपैरवीकरनेमेंमशगूलहोतेहैं वेयहसोचनेकीजहमतनहींउठातेहैंकिउनकाकामखतरेमेंहैए
जानेकितनेपाठ्यक्रमवपाठ्यपुस्तकनिर्माताओंकेहाथोंसेहोकरयहगुजरेगा।
इससन्दर्भमेंएकइतिहासकेशिक्षककीभूमिकाकहींअधिकमहत्वपूर्णहोजातीहै।ऐतिहासिकढंगसेसोचपानेकाकौशलपैदाकरनाए
मुझेलगताहैएकबहुतजरूरीकामहै।एकइतिहासकारजोबड़ेध्यानसेतथ्योंकोलिखतावउनमेंसम्बन्धस्थापितकरताहै ए
उसेपताहैकिउसकानजरियाउनप्रमाणोंपरनिर्भरकरताहैजोवहव्यवस्थितकरताहैऔरजोतर्कवहदेताहै।कीसलाहदीतोवहनिर्विरोधइसआंदोलनसेदूरहोगए।

सन्दर्भ

1. लोकचेतनामेंस्वाधीनताकीलय - आकांक्षायादव
2. स्वाधीनताआन्दोलनऔरनारीचेतनाशक्ति
3. आजादीकेआन्दोलनमेंभीअग्रणीरहीनारी (विश्वमहिलादिवसपर)
4. Women in the Indian national movement (Google book By Suruchi Thapar-Björkert)
5. स्वाधीनतासेनानीलेख-पत्रकार (गूगलपुस्तक ; लेखिका - आशारानीवोरा)